Dr.Raman Kumar Thakur

Assistant professor (Guest) Department of Economics, D.B.College, Jaynagar,Madhubani.

Class:-B.A.Part-1(Gen. &Subsidiary.) Date:- 29.08.2020.

Lecturen.-36.

Topic: :-"अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के तुलनात्मक लागत सिद्धांत"

:- स्वतंत्र व्यापार सिद्धांत को सर्वप्रथम 1752 में 'हयुम' द्वारा प्रकाशित पुस्तक "राजनीतिक प्रवचन"(Political Discourse) से बल मिला जो निसंदेह 1776 ईस्वी में स्मिथ की 'वेल्थ ऑफ़ नेशन' से अधिक मौलिक है फिर भी 'सेलिगमैन' के मतानुसार इस सिद्धांत के प्रतिपादक 'राबर्ट टॉसिंग' थे। परंतु इसका वास्तविक श्रेय 'डेविड रिकार्डो' को जाता है।

तुलनात्मक लागत सिद्धांत की मान्यताएं इस प्रकार से है:-1) श्रम पूंजी एवं साहस जैसे- उत्पादन के साधन देश के अंदर तो गतिशील होते हैं किंतु विभिन्न देशों के बीच अगतिशील होते हैं।

2) देश के अंदर वस्तुएं का मूल्य का निर्धारण उसके उत्पादन में लगे श्रम व्यय पर निर्भर है।

3) श्रम एकरूपी है।

4) उन्मुक्त प्रतियोगिता की अवस्था, एवं मुक्त प्रतियोगिता की अवस्था हो।

5) मुद्रा का परिमाण सिद्धांत कार्य कर रहा हो।

6) सभी देश स्वचालित स्वर्ण मान हो ताकि बहुमूल्य वस्तुओं के प्रभाव पर कोई बंधन नहीं हो।

7) देशों के भुगतान संतुलन केवल व्यापार वस्तुओं से निर्मित हो।

8) विभिन्न देशों के आयात -निर्यात पर परिवहन व्यय नगन्य हो।

* निरपेक्ष लागत की परिभाषा:- लागतो में निरपेक्ष अंतर की स्थिति वह है जिसमें एक देश दूसरे देश की तुलना में निरपेक्ष रूप से या पूर्ण रूप से कम लागत पर उत्पादित कर सकता है।

रिकार्डो के शब्दों में इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय व्यापार में लागू होने वाले तुलनात्मक सिद्धांत का मतलब यह होता है की प्रत्येक देश उन वस्तुओं का उत्पादन करें जिन्हें वह अन्य देशों की अपेक्षा सस्ती लागत पर उत्पादित कर सकता है। रिकार्डो के अनुसार एक देश जिस वस्तु का उत्पादन करता है उसमें अगर उसे हानी भी होती है तो भी वह अंतरराष्ट्रीय व्यापार में शामिल हो सकता है, जब वह यह मूल्यांकन करें कि दो वस्तुओं के उत्पादन में लागत के दृष्टिकोण से सर्वाधिक कम हानी जिस वस्तु में होगा उसी वस्तु का उत्पादन कर वह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लाभ को प्राप्त कर सकता है।

निष्कर्ष (Conclusion):सैम्युलसन के शब्दों में यदी लड़कियों की भांति सिद्धांत भी सौंदर्य प्रतियोगिता में शामिल हो सके तो तुलनात्मक लाभ का सिद्धांत उच्च स्थान प्राप्त करेगा क्योंकि इसका स्वयं सुंदर ढांचा है।